आइए टीका लगवाएं!

हम अपनी और अपने प्रियजनों की रक्षा करते हैं!

Access to Vaccination
for Newly Arrived Migrants

हर साल, टीके दुनिया भर में लगभग 3.5 - 5 मिलियन लोगों की जान बचाते हैं. वे कई बीमारियों से खुद को बचाने का एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी तरीका हैं.

मिथक टीके सुरक्षित नहीं हैं.

सच

टीके सुरक्षित हैं.

टीकों को सुरक्षित बनाने के लिए दुनिया भर में नियम हैं. इससे पहले कि हम कोई टीका लगवा सकें, ऐसे वैज्ञानिक वैज्ञानिक होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि टीका सुरक्षित है और ठीक से काम करता है.

मिथक टीके सिर्फ बच्चों के लिए हैं.

सच

टीके सिर्फ बच्चों के लिए नहीं हैं. टीके वयस्कों के लिए भी हैं.

अपनी उम्र और स्वास्थ्य के अनुसार आपको आवश्यक टीकाकरण के बारे में डॉक्टर से बात करें! छोटे-बड़े, हम सभी टीका लगवा सकते हैं. इस तरह, हमारा शरीर बचपन से पहचानना, याद रखना और अंततः उन कीटाणुओं और विषाणुओं से लड़ना सीखता है जिनके हम संपर्क में आते ह. टीकों की बदौलत, हमने कई बीमारियों को ख़त्म कर दिया है और खतरनाक बीमारियों की संख्या को कम कर दिया है.

मिथक मेरे बच्चे को एक बार एक बीमारी का टीका लगाया गया था. इसलिए, उन्हें इस बीमारी के लिए किसी अन्य टीके की आवश्यकता नहीं है.

सच

ठीक से काम करने और हमारी सुरक्षा के लिए, कुछ टीकों को एक से अधिक बार लगवाने की आवश्यकता होती है. इसका मतलब है कि उनके पास एक से अधिक खुराकें हैं, जिन्हें पहली खुराक (बूस्टर) के कुछ महीनों या वर्षों बाद दिया जा सकता है. इसलिए बच्चों को सभी खुराक देना जरूरी है.और वयस्कों के रूप में, हमें सभी आवश्यक खुराक (और बूस्टर) लेना सुनिश्चित करना चाहिए.

जब बच्चों को टीके की सभी खुराकें मिल जाती हैं, तो इससे उन्हें सुस्थ वयस्क बनने में मदद मिलती है, क्योंकि इस तरह गंभीर बीमारियों से बीमार पड़ना कठिन होता है.

PROLEPSIS INSTITUTE

Co-funded by the European Union's Health Programme (2014-2020)

आइए टीका लगवाएं!

हम अपनी और अपने प्रियजनों की रक्षा करते हैं!

Access to Vaccination
for Newly Arrived Migrants

जब किसी समुदाय में पर्याप्त लोगों को टीका लगाया जाता है, तो बीमारियों का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलना कठिन होता है.

मिथक

मैंने अपने बच्चे को टीका तब नहीं लगाया जब मुझे लगाना चाहिए था. अब उन्हें टीका लगाने में काफी देर हो चुकी है.

सच

अब भी देरी नहीं हुई है. अपने डॉक्टर से इस बारे में बात करें कि आप टीके की शेष खुराकें कैसे लगा सकते हैं जो आपने या आपके बच्चे ने अभी तक नहीं लगाई हैं. टीकाकरण कार्यक्रम के निर्देश इस बारे में स्पष्ट हैं कि जिन बच्चों को पूरी तरह से टीका नहीं लगाया गया है या बिल्कुल भी टीका नहीं लगाया गया है, उनके लिए टीकाकरण कैसे जारी रखा जाए.

टीके गंभीर बीमारियों से होने वाले अन्य अप्रिय प्रभावों से भी बचाते हैं. उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति चलने में सक्षम नहीं हो सकता है, सुनने में सक्षम नहीं हो सकता है, ऐंठन हो सकती है, सिर में समस्याएं हो सकती हैं, या यहां तक कि उसकी मृत्यु भी हो सकती है.

मिथक

लड़कों को एचपीवी वैक्सीन (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) लगवाने की जरूरत नहीं है. केवल लड़कियों को ही टीका लगाने की जरूरत है.

सच

यह टीका 9 वर्ष और उससे अधिक उम्र की लड़कियों और लड़कों को दिया जाना चाहिए. यह वायरस बहुत आम है और लड़कों के साथ-साथ लड़कियों के लिए भी हानिकारक हो सकता है.

एचपीवी वायरस पुरुषों और महिलाओं के प्रजनन अंगों में कैंसर जैसी स्थायी क्षति के अलावा अन्य प्रकार के कैंसर का भी कारण बन सकता है.

मिथक

मुझे अपने बच्चे को यौन संचारित एचपीवी का टीका लगवाने की ज़रूरत नहीं है. वे बहुत छोटे हैं और अभी तक यौन संपर्क नहीं बना है.

सच

यह टीका 9 वर्ष और उससे अधिक उम्र की लड़कियों और लड़कों को दिया जाना चाहिए. हमें अपने बच्चों को केवल इसलिए एचपीवी के खिलाफ टीका लगाने में संकोच नहीं करना चाहिए क्योंकि वे छोटे हैं. जब हम अपने बच्चे को छोटी उम्र से ही टीका लगाते हैं, तो इससे शुरुआत में ही वायरस के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है.

एचपीवी वैक्सीन 18 वर्ष तक की लड़कियों और लड़कों को मुफ्त में दी जाती है, लेकिन उन लोगों को भी दी जाती है जिन्हें अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं. यदि आप नहीं जानते कि आपको टीका लगाया जा सकता है या नहीं और कब लगाया जा सकता है, तो डॉक्टर से बात करें.

PROLEPSIS INSTITUTE

Co-funded by the European Union's Health Programme (2014-2020)